हरियाणा सरकार

सिविल विमान्न विभाग

अधिसूचना

दिनांक 12 अगस्त, 2009

सं० सा०का०नि० 38 / संवि / अनु० 309 / 96.–भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा हरियाणा सिविल विमान्न विभाग (ग्रुप–घ) सेवा में नियुक्त व्यक्तियों की भर्ती तथा उनकी सेवाओं की शर्तों को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात :–

भाग–1 सामान्य

1. ये नियम हरियाणा सिविल विमान्न (ग्रुप–घ) सेवा नियम, 1996, कहे जा सकते हैं। संक्षिप्त नाम।

2. इन नियमों में जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो:– परिभाषाएं।

क. "सलाहकार" से अभिप्राय है, सलाहकार, सिविल विमान्न, हरियाणा।

ख. "सरकार" से अभिप्राय है, प्रशासनिक विभाग में हरियाणा सरकार।

ग. "सीधी भर्ती" से अभिप्राय है, कोई भी नियुक्ति, जो सेवा में से पदोन्नति या भारत सरकार या किसी राज्य सरकार की सेवा में पहले से लगे किसी पदधारी के स्थानान्तरण से अन्यथा की गई हो।

घ. "सेवा" से अभिप्राय है, हरियाणा सिविल विमान्न (ग्रुप–घ) सेवा।

ड. "संस्था" से अभिप्राय है,–

(i) हरियाणा राज्य में लागू विधि द्वारा स्थापित कोई संस्था; या

(ii) इन नियमों के प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त कोई अन्य संस्था।

भाग–II– सेवा में भर्ती

3. सेवा में इन नियमों में परिशिष्ट क में दर्शाये गये पद होंगे : पदों की संख्या तथा उनका स्वरूप।

परन्तु इन नियमों की कोई भी बात ऐसे पदों की संख्या में वृद्धि या कमी करने या विभिन्न पदनामों और वेतनमानों वाले नये पद स्थाई अथवा अस्थाई रूप में बनाने के सरकार के अन्तर्निहित अधिकारी पर प्रभाव नहीं डालेगी।

4. (1) कोई भी व्यक्ति सेवा में किसी पद पर नियुक्त नहीं किया जायेगा जब तक कि वह निम्नलिखित न हो,– सेवा में भर्ती किये गये उम्मीदवारों की राष्ट्रिकता, अधिवास तथा चरित्र।

क. भारत का नागरिक ; या

ख. नेपाल की प्रजा ; या

ग. भूटान की प्रजा ; या

घ. तिब्बत का शरणार्थी, जो पहली जनवरी, 1962 से पहले भारत में स्थाई रूप से बसने के आशय से आया हो: या

ड. भारतीय मूल का व्यक्ति, जो पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका तथा कीनिया, युगांडा तथा तंजानिया के संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व, टांगानिका और जंजीवार), जांबिया, मलाबी, जायरे और इथोपिया के किसी पूर्वी अफ्रीका देश से प्रवासित होकर भारत में स्थाई रूप से बसने के आशय से आया हो:

परन्तु प्रवर्ग (ख), (ग), (घ) तथा (ड.) से सम्बन्धित किसी प्रवर्ग का व्यक्ति ऐसा व्यक्ति होगा जिसके पक्ष में भारत सरकार द्वारा पात्रता का प्रमाण–पत्र जारी किया गया हो।

(2) कोई भी व्यक्ति, जिसकी दशा में पात्रता का प्रमाण–पत्र आवश्यक हो, भर्ती प्राधिकरण द्वारा संचालित परीक्षा या साक्षात्कार के लिए तो प्रविष्ट किया जा सकता है किन्तु नियुक्ति का प्रस्ताव उसे सरकार द्वारा आवश्यक पात्रता का प्रमाण–पत्र जारी किये जाने के बाद ही किया जा सकता है।

(3) कोई भी व्यक्ति सेवा में किसी भी पद पर सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त नहीं किया जायेगा, जब तक कि वह अन्तिम उपस्थिति के विद्यालय या संस्था, यदि कोई हो, के प्रधान शैक्षणिक अधिकारी से चरित्र प्रमाण–पत्र और दो ऐसे अन्य जिम्मेदार व्यक्तियों से, जो उसके सम्बन्धी न हों, किन्तु उसके व्यक्तिगत जीवन में, उससे भली–भान्ति परिचित हों, और जो उनके विद्यालय या संस्था से सम्बन्धित न हों, उसी प्रकार के प्रमाण–पत्र प्रस्तुत न करें।

आयु।

5. कोई भी व्यक्ति सेवा में किसी भी पद पर सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त नहीं किया जायेगा जिसकी आयु रोजगार विभाग को मांग–पत्र भेजने की तिथि को 16 वर्ष से कम और 40 वर्ष से अधिक न हो।

नियुक्ति प्राधिकारी।

6. परिशिष्ट "क" में दर्शाये गये सेवा में किन्हीं पदों पर नियुक्तियां सलाहकार द्वारा की जायेंगी।

योग्यताएं।

7. कोई भी व्यक्ति सेवा में किसी पद पर तब तक नियुक्त नहीं किया जायेगा जब तक कि वह सीधी भर्ती की दशा में इन नियमों के परिशिष्ट ख के खाना–3 में तथा सीधी भर्ती से अन्यथा नियुक्ति की दशा में उपर्युक्त परिशिष्ट के खाना–4 में विनिर्दिष्ट योग्यताएं तथा अनुभव न रखता हो :

परन्तु सीधी भर्ती द्वारा नियुक्ति की दशा में अनुभव सम्बन्धी योग्यताओं में भर्ती प्राधिकरण के विवेक पर 50 प्रतिशत सीमा तक ढील दी जायेगी। यदि अनुसूचित जातियों, पिछड़े वर्गों, भूतपूर्व सैनिकों तथा शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवारों में अपेक्षित अनुभव रखने वाले उम्मीदवारों की पर्याप्त संख्या उनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए उपलब्ध न हों ; ऐसा न करने के लिए लिखित रूप में कारण दिये जायेंगे।

अयोग्यताएं।

8. कोई भी व्यक्ति,–

क. जिसने जीवित पति / पत्नी वाले व्यक्ति से विवाह कर लिया है या विवाह की संविदा कर ली है ; या

ख. जिसने पति / पत्नी के जीवित होते हुए किसी अन्य व्यक्ति से विवाह कर लिया है या विवाह की संविदा कर ली है:–

सेवा में किसी भी पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि सरकार की संतुष्टि हो जाये कि ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू स्वीय विधि के अधीन सेवा विवाह अनुज्ञेय है तथा ऐसा करने के लिये अन्य आधार भी है तो वह ऐसे किसी भी व्यक्ति को इन नियमों के लागू होने से छूट दे सकता है।

भर्ती का ढंग।

9. (1) सेवा में भर्ती निम्नलिखित ढंग से की जायेगी :–

क. दफ्तरी की दशा में,–

(i) जमादार से पदोन्नति द्वारा ; या

(ii) सीधी भर्ती द्वारा ; या

(iii) किसी राज्य सरकार अथवा भारत सरकार की सेवा में पहले से लगे किसी कर्मचारी के स्थानान्तरण या प्रतिनियुक्ति द्वारा।

ख. जमादार की दशा में,–

(i) सेवादार, चौकीदार तथा चौकीदार–कम–माली–कम–स्वीपर में से पदोन्नति द्वारा; या

(ii) सीधी भर्ती द्वारा ; या

(iii) किसी राज्य सरकार अथवा भारत सरकार की सेवा में से ऐसे पद पर पहले से लगे किसी कर्मचारी के स्थानान्तरण या प्रतिनियुक्ति द्वारा ;

ग. हैल्पर की दशा में,–

(i) सीधी भर्ती द्वारा ; या

(ii) किसी राज्य सरकार अथवा भारत सरकार की सेवा में से ऐसे पद पर पहले से लगे किसी कर्मचारी के स्थानान्तरण या प्रतिनियुक्ति द्वारा ;

घ. सेवादार, चौकीदार तथा चौकीदार–कम–माली–कम–स्वीपर की दशा में,–

(i) सीधी भर्ती द्वारा ; या

(ii) किसी राज्य सरकार अथवा भारत सरकार की सेवा में से ऐसे पद पर पहले से लगे किसी कर्मचारी के स्थानान्तरण या प्रतिनियुक्ति द्वारा ;

(2) सभी पदोन्नतियां जब तक अन्यथा अपेक्षित न हों, ज्येष्ठता एवं योग्यता के आधार पर की जायेंगी और केवल ज्येष्ठता ही ऐसी पदोन्नतियों के लिए अधिकार नहीं देगी।

10. (1) सेवा में किसी भी पद पर नियुक्त व्यक्ति, यदि वह सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त किया गया हो तो दो वर्ष की अवधि के लिए और यदि वह अन्यथा नियुक्त किया गया हो तो एक वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेगा: परिवीक्षा।

परन्तु,–

क. किसी नियुक्ति के बाद किसी अनुरूप या उच्चतर पद पर प्रतिनियुक्ति पर व्यतीत की गई अवधि परिवीक्षा की अवधि की ओर गिनी जायेगी ;

ख. स्थानान्तरण द्वारा किसी नियुक्ति की दशा में, सेवा में किसी पद पर नियुक्ति से पहले किसी समकक्ष अथवा उच्चतर पद पर किये गये कार्य की कोई अवधि, नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर इस नियम के अधीन नियत परिवीक्षा अवधि की ओर गिनने दी जा सकती है; और

ग. स्थानापन्न नियुक्ति की कोई भी अवधि परिवीक्षा पर व्यतीत की गई अवधि के रूप में गिनी जाएगी किन्तु कोई व्यक्ति जिसने ऐसे स्थानान्तरण रूप में कार्य किया है, परिवीक्षा की निहित अवधि के पूरा होने पर यदि वह किसी स्थायी रिक्ति पर नियुक्त न किया गया हो, पुष्ट किये जाने का हकदार नहीं होगा।

(2) यदि नियुक्ति प्राधिकारी की राय में परिवीक्षा की अवधि के दौरान किसी व्यक्ति का कार्य या आचरण सन्तोषजनक न रहा हो तो वह,–

क. यदि ऐसा व्यक्ति सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त किया गया हो तो उसकी सेवायें समाप्त कर सकता है ; और

ख. यदि ऐसा व्यक्ति सीधी भर्ती से अन्यथा नियुक्त किया गया हो तो ,–

(i) उसे उसके पूर्व पद पर प्रतिवर्तित कर सकता है ; या

(ii) उसके सम्बन्ध में किसी ऐसी अन्य रीति में कार्रवाई कर सकता है जो उसकी पूर्व नियुक्ति के निबन्धन तथा शर्तें अनुज्ञात करें।

(3) किसी व्यक्ति की परिवीक्षा अवधि पूरी होने पर, नियुक्ति प्राधिकारी,–

क. यदि उसका कार्य तथा आचरण उसकी राय में सन्तोषजनक रहा हो तो,–

(i) ऐसे व्यक्ति को, यदि वह स्थायी रिक्ति पर नियुक्त किया गया हो तो उसकी नियुक्ति की तिथि से पुष्ट कर सकता है ; या

(ii) ऐसे व्यक्ति को यदि वह अस्थायी रिक्ति पर नियुक्त किया गया हो स्थायी रिक्ति होने पर तिथि से पुष्ट कर सकता है ; या

(iii) यदि कोई स्थायी रिक्ति न हो, तो घोषित कर सकता है कि अपनी परिवीक्षा अवधि सन्तोषजनक ढंग से पूरी कर ली है ;

ख. यदि उसका कार्य या आचरण उसकी राय में सन्तोषजनक न रहा हो तो,–

(i) यदि वह सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त किया गया हो, उसकी सेवाएं समाप्त कर सकता है, यदि अन्यथा नियुक्त किया गया हो, उसे पूर्व पद पर प्रतिवर्तित कर सकता है या उसके सम्बन्ध में ऐसी अन्य रीति में कार्रवाई कर सकता है जो उसकी पूर्व नियुक्ति के निबधन तथा शर्तें अनुज्ञात करें ; या

(ii) उसकी परिवीक्षा अवधि बढ़ा सकता है और उसके बाद ऐसे आदेश पारित कर सकता है जो वह परिवीक्षा की प्रथम अवधि की समाप्ति पर कर सकता था:

परन्तु परिवीक्षा की कुल अवधि, जिसमें बढ़ाई गई अवधि भी यदि कोई है, शामिल है, तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी।

ज्येष्ठता।

11. सेवा के सदस्यों की परस्पर ज्येष्ठता सेवा में किसी भी पद पर उनके लगातार सेवाकाल के अनुसार निश्चित की जायेगी :

परन्तु जहां सेवा में विभिन्न संवर्ग हों, वहां ज्येष्ठता संवर्ग के लिए अलग–अलग निश्चित की जाएगी :

परन्तु यह और कि सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त सदस्यों की दशा में ज्येष्ठता नियत करते समय भर्ती प्राधिकारी द्वारा निश्चित योग्यता क्रम परिवर्तित नहीं किया जायेगा :

परन्तु यह और कि एक ही तिथि को नियुक्त दो या दो से अधिक सदस्यों की दशा में, उनकी ज्येष्ठता निम्नलिखित रूप से निश्चित की जाएगी :–

क. सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त सदस्य, नियुक्त सदस्य से ज्येष्ठ होगा ;

ख. पदोन्नति द्वारा नियुक्त सदस्य स्थानान्तरण द्वारा नियुक्त सदस्य से ज्येष्ठ होगा ;

ग. पदोन्नति द्वारा अथवा स्थानान्तरण द्वारा नियुक्त सदस्यों की दशा में ज्येष्ठता ऐसे सदस्यों की ऐसी नियुक्तियों में ज्येष्ठता के अनुसार निश्चित की जाएगी, जिनसे पदोन्नत या स्थानान्तरित किए गए थे ;

घ. स्थानान्तरण द्वारा उसके कार्यालय में नियुक्ति सदस्यों की दशा में ज्येष्ठता ऐसी नियुक्तियों में ऐसे सदस्यों की ज्येष्ठता के अनुसार निश्चित की जाएगी जिस संवर्ग में वह पहले थे ; और

ड. विभिन्न संवर्गों से स्थानान्तरण द्वारा नियुक्त सदस्यों की दशा में उनकी ज्येष्ठता वेतन के अनुसार निश्चित की जाएगी, अधिमान ऐसे सदस्य को दिया जाएगा जो अपनी पहले की नियुक्ति में उच्चतर दर पर वेतन ले रहा था और यदि मिलने वाले वेतन की दर भी समान हो तो उनकी नियुक्ति में उनके सेवाकाल के अनुसार और यदि सेवाकाल भी समान हो तो आयु में बड़ा सदस्य छोटे सदस्य से ज्येष्ठ होगा।

सेवा करने का दायित्व।

12. (1) सेवा का कोई भी सदस्य नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा हरियाणा राज्य में अथवा उसके बाहर किसी भी स्थान पर सेवा करने के लिए आदेश दिये जाने पर ऐसा करने के लिएं उत्तरदायी होगा।

(2) सेवा के किसी सदस्य को निम्नलिखित के अधीन भी सेवा के लिए प्रतिनियुक्त किया जा सकता है –

(i) किसी कम्पनी, संगम या व्यष्टि निकाय, चाहे वह निगमित हो या नहीं, जिसका पूर्ण अथवा अधिकांश स्वामित्व या नियंत्रण राज्य सरकार के पास है या हरियाणा राज्य के भीतर नगर निगम या स्थानीय प्राधिकरण अथवा विश्वविद्यालय;

(ii) केन्द्रीय सरकार या ऐसी कम्पनी, संगम या व्यष्टि निकाय चाहे वह निगमित हो या नहीं, जिसका पूर्ण या अधिकांश स्वामित्व या नियंत्रण केन्द्रीय सरकार के पास हो ; या

(iii) कोई अन्य राज्य सरकार, अन्तर्राष्ट्रीय संगठन, स्वायत्व निकाय जिसका नियंत्रण सरकार के पास न हो अथवा गैर सरकारी निकायः परन्तु सेवा के किसी भी सदस्य को उसकी सहमति के बिना खण्ड (ii) तथा खण्ड (iii) में निर्दिष्ट केन्द्रीय या किसी अन्य राज्य सरकार या किसी संगठन या निकाय में सेवा करने के लिए प्रतिनियुक्त नहीं किया जाएगा।

13. वेतन, छुट्टी, पेंशन तथा सभी अन्य मामलों के सम्बन्ध में, जिनका इन नियमों में स्पष्ट रूप से उपबंध नहीं किया गया है, सेवा के सदस्य ऐसे नियमों तथा विनियमों द्वारा नियंत्रित होंगे जो सक्षम प्राधिकारी द्वारा भारत के संविधान के अधीन अथवा राज्य विधान मण्डल द्वारा बनाई गई तथा उस समय लागू किसी विधि के अधीन अपनाये या बनाये गये हों अथवा इसके बाद अपनाये या बनाये जायें। वेतन, छुट्टी, पेंशन तथा अन्य मामले।

14. (1) अनुशासन, शास्तियों तथा अपीलों से सम्बन्धित मामलों में सेवा के सदस्य समय-समय पर यथा संशोधित हरियाणा सिविल सेवा (दण्ड तथा अपील) नियम, 1987 द्वारा नियंत्रित होंगे: अनुशासन, शास्तिय तथा अपीलें।

परन्तु ऐसी शास्तियों का स्वरूप, जो लगाई जा सकती हैं, ऐसी शास्तियां लगाने के लिए सशक्त प्राधिकारी तथा अपील प्राधिकारी भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के अधीन बनाई गई किसी विधि या नियमों के उपबन्धों के अधीन रहते हुए वे होंगे, जो इन नियमों के परिशिष्ट "ग" में विनिर्दिष्ट हैं।

(2) हरियाणा सिविल सेवा (दण्ड तथा अपील) नियम, 1987 के नियम 9 के उप नियम (1) के खण्ड (ग) तथा खण्ड (घ) के अधीन आदेश करने के लिए सक्षम प्राधिकारी तथा अपील प्राधिकारी भी वह होगा जो इन नियमों के परिशिष्ट "घ" में विनिर्दिष्ट है।

15. सेवा का प्रत्येक सदस्य जब सरकार किसी विशेष या साधारण आदेश द्वारा ऐसा निर्देश करे, टीका लगवाएगा या पुनः टीका लगवाएगा। टीका लगवाना।

16. सेवा का प्रत्येक सदस्य से, जब तक उसने पहले ही भारत के प्रति तथा विधि द्वारा यथा स्थापित भारत के संविधान के प्रति राजनिष्ठा की शपथ न ले ली हो, ऐसा करने की अपेक्षा की जाएगी। राज्यनिष्ठा की शपथ।

17. जहां सरकार की राय में इन नियमों के किसी उपबन्ध में ढील देना आवश्यक या उचित हो, वहां वह कारण लिख कर आदेश द्वारा, व्यक्तियों के किसी वर्ग या प्रवर्ग के बारे में ऐसा कर सकती है। ढील देने की शक्ति।

18. इन नियमों में किसी बात के होते हुए भी नियुक्ति प्राधिकारी यदि वह नियुक्ति आदेश में विशेष निबंधन तथा शर्तें लगाना उचित समझे तो ऐसा कर सकता है। विशेष उपबन्ध।

19. इन नियमों में दी गई कोई बात राज्य सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में समय-समय पर जारी, किये गये आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, पिछड़े वर्गों, भूतपूर्व सैनिकों तथा अन्य विकलांग व्यक्तियों अथवा व्यक्तियों के किसी वर्ग या प्रवर्ग को दिये जाने के लिये अपेक्षित आरक्षणों तथा अन्य रियायतों को प्रभावित नहीं करेगी: आरक्षण।

परन्तु इस प्रकार किए गए आरक्षण की कुल प्रतिशतता कभी भी 50 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी।

20. इन नियमों में से किसी के अनुरूप कोई नियम जो इन नियमों के आरम्भ से तुरन्त पहले लागू हों, इसके द्वारा निरसित किया जाता है: निरसन व्यावृति।

परन्तु इस प्रकार से निरसित नियमों के अधीन किया गया कोई आदेश या की गई कार्रवाई समझी जाएगी।

परिशिष्ट क

(देखिए नियम 3)

क्रम संख्या	पदनाम	पदों की संख्या स्थाई	अस्थाई	जोड़	वेतनमान
1	2	3	4	5	6
1	दफ्तरी	1	–	1	4440–7440+1300 Grade Pay
2	जमादार	1	–	1	4440–7440+1300 Grade Pay
3	हैल्पर	2	3	5	4440–7440+1300 Grade Pay
4	सेवादार	4	1	5	4440–7440+1300 Grade Pay
5	चौकीदार	–	1	1	4440–7440+1300 Grade Pay
6	चौकीदार–कम–माली–कम–स्वीपर	1	5	6	4440–7440+1300 Grade Pay
	कुल जोड़	9	10	19	

परिशिष्ट ख

(देखिए नियम 7)

क्रम संख्या	पदनाम	सीधी भर्ती के लिए शैक्षणिक योग्यताएं तथा अनुभव यदि कोई हो	सीधी भर्ती से अन्यथा नियुक्ति के लिए शैक्षणिक योग्यतायें तथा अनुभव यदि कोई हो
1	2	3	4
1	दफ्तरी	(i) मान्यता प्राप्त संस्था से हिन्दी सहित आठवीं पास ; (ii) साईकिल चलाने का ज्ञान।	(i) मान्यता प्राप्त संस्था से हिन्दी सहित आठवीं पास ; (ii) जमादार के पद पर 5 वर्ष का अनुभव।
2	जमादार	(i) मान्यता प्राप्त संस्था से हिन्दी सहित आठवीं पास ; (ii) साईकिल चलाने का ज्ञान।	(i) मान्यता प्राप्त संस्था से हिन्दी सहित आठवीं पास ; (ii) साईकिल चलाने का ज्ञान ; (iii) सेवादार, चौकीदार तथा चौकीदार–कम–माली–कम–स्वीपर के पद पर 3 वर्ष का अनुभव।
3	हैल्पर	(i) विमान्न हैल्पर के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यताएं मैट्रिक; (ii) वांछनीय योग्यताएं: (क) निम्नलिखित प्रवर्गों में से किसी एक में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान से किए गए प्रशिक्षण का प्रमाण पत्रः (i) मोटर मकैनिक; (ii) इन्स्ट्रूमैंट मकैनिक; (iii) रैफ्रीजिरेशन और एयरकण्डीशनिंग मकैनिक; (iv) फिटर; (v) बिजली मिस्त्री; (vi) रेडियो / टी.वी. ; (ख) विमान्न उद्योग का दो वर्ष का अनुभव या किसी ख्याति प्राप्त संस्था में अर्धकुशल मिस्त्री का दो वर्ष का सामान्य अनुभव।	(i) मैट्रिक तथा निम्नलिखित प्रवर्गों में से किसी एक में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान से किए गए प्रशिक्षण का प्रमाण–पत्र ; (i) मोटर मकैनिक; (ii) इन्स्ट्रूमैंट मकैनिक; (iii) रैफ्रीजिरेशन और एयरकण्डीशनिंग मकैनिक; (iv) फिटर; (v) बिजली मिस्त्री ; (vi) रेडियो / टी.वी. ; (vii) हैल्पर के पद का दो वर्ष का अनुभव।
4	सेवादार	(i) मान्यता प्राप्त संस्था से हिन्दी सहित आठवीं पास ; (ii) साईकिल चलाने का ज्ञान।	(i) मान्यता प्राप्त संस्था से हिन्दी सहित आठवीं पास ; (ii) साईकिल चलाने का ज्ञान ; (iii) सेवादार के पद का दो वर्ष का अनुभव।

1	2	3	4
5	चौकीदार	(i) मान्यता प्राप्त संस्था से हिन्दी सहित आठवीं पास ; (ii) साईकिल चलाने का ज्ञान।	(i) मान्यता प्राप्त संस्था से हिन्दी सहित आठवीं पास ; (ii) साईकिल चलाने का ज्ञान ; (iii) चौकीदार के पद का दो वर्ष का अनुभव।
6	चौकीदार–कम–माली–कम–स्वीपर	(i) अंग्रेजी तथा हिन्दी में काम करने का ज्ञान ; (ii) साईकिल चलाने का ज्ञान ; (iii) माली के काम करने का ज्ञान।	(i) मान्यता प्राप्त संस्था से हिन्दी सहित आठवीं पास ; (ii) साईकिल चलाने का ज्ञान ; (iii) माली के काम करने का ज्ञान; (iv) चौकीदार–कम–माली–कम–स्वीपर के पद का दो वर्ष का अनुभव।

परिशिष्ट ग

[देखिए नियम 14 (1)]

क्रमांक	पदनाम	नियुक्ति प्राधिकारी	शास्ति का स्वरूप	शास्ति लगाने के लिए सक्षम अधिकारी	अपील प्राधिकारी
1	2	3	4	5	6
			1. लघु शास्तियां		
1	दफ्तरी	सलाहकार	(i) वैयक्तिक फाईल (आचरण पंजी) पर प्रति रखते हुए चेतावनी ; (ii) परिनिन्दा ; (iii) पदोन्नति रोकना ; (iv) उपेक्षा या आदेशों के उल्लंघन द्वारा केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार की या ऐसी कम्पनी तथा संगठन तथा व्यष्टि निकाय, चाहे वह निगमित हो या नहीं जिसका पूर्ण या अधिकांश स्वामित्व या नियंत्रण सरकार के पास है या संसद या राज्य विधान के अधिनियम द्वारा स्थापित किसी प्राधिकरण या विश्वविद्यालय को हुई धन सम्बन्धी पूरी हानि की या उसके भाग की वेतन से वसूली; (v) संचयी प्रभाव के बिना वेतन वृद्धियां रोकना।	सलाहकार	सरकार
2	जमादार				
3	हैल्पर				
4	सेवादार				
5	चौकीदार				
6	चौकीदार–कम–माली–कम–स्वीपर				
			2. बड़ी शास्तियां		
		सलाहकार	(vi) संचयी प्रभाव सहित वेतन वृद्धियां रोकना; (vii) किसी विनिर्दिष्ट अवधि के लिए समयधान में निम्नतर प्रक्रम पर अवनति ऐसे अतिरिक्त निर्देशों सहित कि क्या सरकारी कर्मचारी ऐसी अवनति की अवधि के दौरान वेतनवृद्धियां अर्जित करेगा या नहीं और क्या ऐसी अवधि की समाप्ति पर, ऐसी अवधि उसकी भावी वेतन–वृद्धियां स्थगित करने का प्रभाव रखेगी या नहीं; (viii) निम्नतर वेतनमान, ग्रेड, पद या सेवा पर ऐसी अवनति जो सरकारी कर्मचारी के उस समय वेतनमान, ग्रेड, पद या सेवा पद, जिससे वह अवनत किया गया था, पदोन्नति के लिए साधारणतः रोक होगी, ऐसा, जिस ग्रेड अथवा पद अथवा सेवा से सरकारी कर्मचारी अवनत किया गया था उस पर बहाली सम्बन्धी और उसकी ज्येष्ठता तथा उस ग्रेड, पद या सेवा पर वेतन के बारे में शर्तों सम्बन्धी अतिरिक्त निर्देशों के साथ या उसके बिना होगा ; (ix) अनिवार्य सेवा निवृति ; (x) सेवा से हटाया जाना, जो सरकार के अधीन भावी नियोजन के लिए अयोग्यता नहीं होगी; (xi) सेवा से पदच्युति जो सरकार के अधीन भावी नियोजन के लिए सामान्यतः अयोग्यता होगी।	सलाहकार	सरकार

परिशिष्ट घ

[देखिए नियम 14 (2)]

क्रमांक	पदनाम	आदेश का स्वरूप	आदेश करने के लिए सशक्त प्राधिकारी	अपील प्राधिकार
1.	2.	3.	4.	5.
1	दफ्तरी	(i) पेंशन को नियंत्रित करने वाले नियमों के अधीन अनुशेय सामान्य/अतिरिक्त पेंशन की राशि में कमी करना या रोकना ;	सलाहकार	सलाहकार
2	जमादार	(ii) सेवा के किसी सदस्य को अनेक अधिवर्षिता के लिए नियत आयु प्राप्त करने से अन्यथा नियुक्ति की समाप्ति।		
3	हैल्पर			
4	सेवादार			
5	चौकीदार			
6	चौकीदार–कम–माली–कम–स्वीपर			

(हस्ता०)...,
वित्तायुक्त एवं प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,
सिविल विमानन विभाग।

[Extract from Haryana Government Gazette (Extra.), dated the 22nd October, 2009]

हरियाणा सरकार
सिविल विमान्न विभाग
शुद्धि पत्र
दिनांक 22 अक्तूबर, 2009

सं.सा.का.नि. 38/संवि./अनु.309/96.– दिनांक 12.8.2009 द्वारा सिविल विमान्न विभाग (ग्रुप–घ) के सेवा नियम छपवाए गए थे जिनमें कुछ त्रुटियां रह गई हैं। अतः अब इन्हें निम्नलिखित के अनुसार समझा जाये:–

भाग–1 सामान्य

संक्षिप्त नाम	1.	ये नियम हरियाणा सिविल विमान्न (ग्रुप–घ) सेवा नियम, 2009 कहे जा सकते हैं
परिभाषाएं	2.	इन नियमों में जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो:–

क. "सलाहकार" से अभिप्राय है, सलाहकार, सिविल विमान्न, हरियाणा;

ख. "सरकार" से अभिप्राय है, प्रशासनिक विभाग में हरियाणा सरकार;

ग. "सीधी भर्ती" से अभिप्राय है, कोई भी नियुक्ति, जो सेवा में से पदोन्नति या भारत सरकार या किसी राज्य सरकार की सेवा में पहले से लगे किसी पदधारी के स्थानान्तरण से अन्यथा की गई हो;

घ. "सेवा" से अभिप्राय है, हरियाणा सिविल विमान्न (ग्रुप–घ) सेवा;

ङ. "संस्था" से अभिप्राय है,—

(i) हरियाणा राज्य में लागू विधि द्वारा स्थापित कोई संस्था; या

(ii) इन नियमों के प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त कोई अन्य संस्था।

भाग–II– सेवा में भर्ती

पदों की संख्या तथा उनका स्वरूप।

3. सेवा में इन नियमों में परिशिष्ट क में दर्शाये गये पद होंगे:

परन्तु इन नियमों की कोई भी बात ऐसे पदों की संख्या में वृद्धि या कमी करने या विभिन्न पदनामों और वेतनमानों वाले नये पद स्थाई अथवा अस्थाई रूप में बनाने के सरकार के अन्तर्निहित अधिकारी पर प्रभाव नहीं डालेगी।

सेवा में भर्ती किये गए उम्मीदवारों की राष्ट्रीयता, अधिवास तथा चरित्र।

4. (1) कोई भी व्यक्ति सेवा में किसी पद पर नियुक्त नहीं किया जायेगा जब तक कि वह निम्नलिखित न हो,—

क. भारत का नागरिक; या

ख. नेपाल की प्रजा; या

ग. भूटान की प्रजा; या

घ. तिब्बत का शरणार्थी, जो पहली जनवरी, 1962 से पहले भारत में स्थाई रूप से बसने के आशय से आया हो; या

ङ. भारतीय मूल का व्यक्ति, जो पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका तथा कीनिया, युगांडा तथा तंजानिया के संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व, टांगानिका और जंजीबार), जांबिया, मलावी, जायरे और इथोपिया के किसी पूर्वी अफ्रीकी देश से प्रवासित होकर भारत में स्थाई रूप से बसने के आशय से आया हो:

परन्तु प्रवर्ग (ख), (ग), (घ) तथा (ङ.) से सम्बन्धित किसी प्रवर्ग का व्यक्ति ऐसा व्यक्ति होगा जिसके पक्ष में भारत सरकार द्वारा पात्रता का प्रमाण–पत्र जारी किया गया हो।

परिशिष्ट ख

(देखिए नियम 7)

क्रम संख्या	पदनाम	सीधी भर्ती के लिए शैक्षणिक योग्यतायें तथा अनुभव यदि कोई हो	सीधी भर्ती से अन्यथा नियुक्ति के लिए शैक्षणिक योग्यतायें तथा अनुभव यदि कोई हो
1	2	3	4
6	चौकीदार–कम माली–कम–स्वीपर	(i) अंग्रेजी तथा हिन्दी में काम करने का ज्ञान; (ii) साईकिल चलाने का ज्ञान; (iii) माली के काम करने का ज्ञान।	(i) अंग्रेजी तथा हिन्दी में काम करने का ज्ञान; (ii) साईकिल चलाने का ज्ञान; (iii) माली के काम करने का ज्ञान। (iv) चौकीदार–कम–माली–कम–स्वीपर के पद का दो वर्ष का अनुभव।

(हस्ता0). . .,

वित्तायुक्त एवं प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,
सिविल विमानन विभाग।

HARYANA GOVERNMENT
GENERAL ADMINISTRATION DEPARTMENT
Chief Secretary Office

No. 42/ 03 /2016-4GSI

To

1. All the Administrative Secretaries to Government Haryana.
2. All Heads of the Departments of Haryana.
3. Commissioners Ambala/Hisar/Rohtak/Gurugram/Karnal/Faridabad Divisions.
4. All the Deputy Commissioners of Haryana.
5. All MDs of Boards/Corporations in State of Haryana.

Dated Chandigarh, the 28th March, 2018.

Subject: - **Regarding sending the requisition in respect of Group-D posts to HSSC.**

****

Sir/Madam,

1. I am directed to invite your kind attention on the subject noted above and to say that the process of recruitment to Group-D posts initiated in the year 2014 has been closed and the notice to this effect has been published in the news papers.
2. Government had brought the Group-D posts within purview of Haryana Staff Selection Commission (HSSC) and directed all departments to send their requisitions to HSSC vide letter no. 42/3/2016 -4GS1 dated 22.12.2017.
3. However, now the Haryana Group D Employees (Recruitment and Conditions of Service) Act, 2018 has come into force which provides for recruitment to Group D posts through the HSSC.
4. Some major provisions of the Act are:
   a) Uniform clearly defined minimum age i.e 18
   b) Minimum educational qualification as Matric
   c) Applies to all Group D posts except sweeper, chowkidar and sweeper-cum-chowkidar.
   d) Uniform selection criteria : 100 marks evaluation (wherein 90 marks are for written test and 10 marks for socio-economic criteria and experience)
   e) Waiting list upto 25% of advertised vacancies when vacancies are <25; if vacancies are between 25-50, the waiting list shall be 15%; in case vacancies are greater than 50, the waiting list shall be 10%; subject to minimum of two candidates.

5. You are hereby advised to withdraw all the requisition of Group-D posts sent to the Haryana Staff Selection Commission in pursuance of this office letter No. 42/03/2016-4GSI, dated 22.12.2017 and issue a fresh requisition of Group-D posts direct to Haryana Staff Selection Commission in accordance with provisions of Haryana Group D Employees (Recruitment and Conditions of Service) Act, 2018.

Yours faithfully,

Superintendent General Services-I,
for Chief Secretary to Government Haryana

Endst No. 42/ 03 /2016-4GSI

Dated: 28.03.2018

A copy is also forwarded to the Secretary of Haryana Staff Selection Commission with reference to their letter No. 97/1/2018-4R.II/801, dated 05.03.2018 for information and necessary action.

Superintendent General Services-I,
for Chief Secretary to Government Haryana

PART I

HARYANA GOVERNMENT

LAW AND LEGISLATIVE DEPARTMENT

Notification

The 28th March, 2018

No. Leg.8/2018.— The following Act of the Legislature of the State of Haryana received the assent of the Governor of Haryana on the 27th March, 2018 and is hereby published for general information:-

HARYANA ACT NO.5 OF 2018

THE HARYANA GROUP D EMPLOYEES (RECRUITMENT AND CONDITIONS OF SERVICE) ACT, 2018

AN

ACT

to regulate the recruitment and conditions of service of the Haryana Group D employees in the State and for the matters connected therewith and incidental thereto.

Be it enacted by the Legislature of the State of Haryana in the Sixty-ninth Year of the Republic of India as follows:-

Short title, commencement and application.

1. (1) This Act may be called the Haryana Group D Employees (Recruitment and Conditions of Service) Act, 2018.

(2) It shall come into force from the date of its publication in the Official Gazette.

(3) It shall apply to the persons appointed to any post of Group D, whether temporary or permanent, in the State or Subordinate Services, except to the extent otherwise expressly provided-

(a) by or under any law for the time being in force; or

(b) in respect of any member of such Service by a contract or agreement subsisting between such member and the Government.

Definitions.

2. In this Act, unless the context otherwise requires,-

(a) "appointing authority" means the authority specified as such in the Service rules made under proviso to article 309 of the Constitution of India in respect of any Service or post;

(b) "appointment" means an appointment of a member of Service in accordance with this Act or the rules applicable at the time of such appointment, as the case may be, who discharges, for the first time, the duties of a post borne on the cadre of such Service or commences the probation, instruction or training prescribed thereof;

Explanation.- The appointment of a person holding a post borne on the cadre of one Service to hold additional charge of a higher post in the same Service or a post borne on the cadre of another Service or to discharge the current duties thereof does not amount to appointment to the latter post or Service;

(c) "approved probationer" means a member of Service who has satisfactorily completed his probation and awaits appointment as a full member of such Service or category;

(d) "direct appointment" means an appointment made otherwise than by promotion or by transfer of a person already in the service of any State Government or Government of India;

(e) "discharged probationer" means a full member or an approved probationer of another service or category reverting him to such service or whose services have been dispensed with;

(f) "full member" means a member who has been confirmed in the Service in which he has been first appointed;

(g) "Government" means the Government of the State of Haryana in the General Administration Department;

(h) "Head of Department" shall have the same meaning as assigned to it in clause (38) of rule 8 of the Haryana Civil Services (General) Rules, 2016 and includes any other authority specially appointed by the Government to exercise the powers of the Head of Department;

(i) "Head of Office" shall have the same meaning as assigned to it in clause (39) of rule 8 of the Haryana Civil Services (General) Rules, 2016;

(j) "member of Service" means a person who has been appointed to Service but does not include a person appointed under sub-section (1) of section 8;

(k) "recruiting agency" means the Haryana Staff Selection Commission or such other body constituted by the Government for selection of candidates for appointment to Service;

(l) "recognized university or institution" means,-

(i) any university or institution incorporated by law in India; or

(ii) any other university or institution, which is declared by the Government to be a recognized university or institution for the purposes of this Act;

(m) "Schedule" means the Schedule appended to this Act;

(n) "Service" means any Group D Service in the State;

(o) "Service rules" means the Service rules made under the proviso to article 309 of the Constitution of India regulating the recruitment and condition of Service of Group D posts in the State;

(p) "State" means the State of Haryana.

Authorities empowered to make appointment.

3. The appointment to all the posts in the Service shall be made by the Head of Department or Head of Office, as the case may be.

Pay, allowances, leave, pension and other conditions of Service.

4. The Haryana Civil Services (General) Rules, 2016, the Haryana Civil Services (Pay) Rules, 2016, the Haryana Civil Services (Travelling Allowance) Rules, 2016, the Haryana Civil Services (Allowances) Rules, 2016, the Haryana Civil Services (Leave) Rules, 2016, the Haryana Civil Services (General Provident Fund) Rules, 2016, the Haryana Civil Services (Pension) Rules, 2016, the Haryana Civil Services (Government Employees' Conduct) Rules, 2016 and the Haryana Civil Services (Punishment and Appeal) Rules, 2016, shall in so far as they are applicable and except to the extent expressly provided in this Act, govern members of Service in the matters of their pay, allowances, leave, pension and other conditions of Service.

Cadre.

5. The permanent cadre, category and grade pay of the Service shall be determined by the Government.

Age.

6. No person shall be appointed to any post in the Service by direct recruitment who is less than eighteen years or more than forty-two years of age:

Provided that where different lower and upper age limits have been specifically prescribed for posts in the Service rules, those limits shall be applicable for appointment to such posts:

Provided further that in the case of candidates belonging to Scheduled Castes, Backward Classes, ex-servicemen and persons with disability categories, the upper age limit shall be such, as may be fixed by the Government, from time to time.

Recruitment to posts.

7. Recruitment to all posts in the Service shall be made by recruiting agency:

Provided that the recruitment to the posts of Sweeper, Chowkidar and Sweeper-cum-Chowkidar shall be made by such other bodies as may constituted by the Government, from time to time.

8. (1) Where in the opinion of the Government, special provisions inconsistent with any of the provisions of this Act or any other Service rules made under the proviso to article 309 or continuing by article 313 of the Constitution (hereinafter referred to in this section as the said rules) are required in respect of recruitment, conditions of service, pay, allowances, pension, discipline and conduct with reference to any particular or all posts in the Service, the Government may make appointment to such post otherwise than in accordance with this Act or the said rules and provide by an agreement with the person so appointed for any of the matters in respect of which in the opinion of the Government special provisions are required to be made and to the extent to which such provisions are made in the agreement. Nothing in this Act or the said rules shall apply to any person so appointed in respect of any matter for which provision is made in the agreement: Appointment by agreement.

Provided that in respect of any matter in respect of which, no provision has been made in the agreement, the provisions of this Act or of the said rules shall apply.

(2) A person appointed under sub-section (1) shall not be a member of Service and shall not be entitled by reason only of such appointment to any preferential claim to any other appointment in that Service or any other Service.

9. (1) No person shall be appointed to any post in the Service, unless he is in possession of qualifications and experience specified in column 3 of the First Schedule in the case of direct recruitment and those specified in column 4 of the aforesaid Schedule in the case of persons appointed other than by direct recruitment. Qualifications.

(2) No person shall be appointed to any post in the Service, unless he is,-

(a) a citizen of India; or

(b) a subject of Nepal; or

(c) a subject of Bhutan:

Provided that a person belonging to any of the categories (b) or (c) shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government.

(3) A person in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to an examination conducted by the recruiting agency but the offer of appointment shall be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government.

(4) No person shall be appointed to any post in the Service by direct recruitment, unless he produces a certificate of character from the Principal Academic Officer of the university, college, school or institution last attended, if any, and similar certificate from two other responsible persons not being his relatives, who are well acquainted with him in his private life and are unconnected with his university, college, school or institution.

(5) No person-

(a) who has entered into a marriage with a person having a spouse living; or

(b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to any post in the Service:

Provided that the Government may, if satisfied, that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to marriage and there are other grounds for doing so, exempt any person from the operation of this section.

10. (1) In the case of selection and recommendation of the names of candidates to a department or an office for Group D posts, there shall be no interview and there shall be written exam and criteria for selection shall be such, as specified in the Second Schedule. Selection criteria.

(2) A candidate may apply for any number of departments and indicate his priority for such departments.

11. (1) Persons appointed to any post in the Service shall remain on probation for a period of two years, if appointed by direct recruitment, and one year, if appointed otherwise: Probation.

Provided that,-

(a) any period after such appointment, spent on deputation on a corresponding or a higher post shall count towards the period of probation;

(b) any period of work in equivalent or higher rank, prior to appointment to any post in the Service, may, in the case of an appointment by transfer, at the discretion of the appointing authority, be allowed to count towards the period of probation fixed under this section; and

(c) any period of officiating appointment shall be reckoned as period spent on probation, but no person who has so officiated shall, on the completion of the prescribed period of probation, be entitled to be confirmed, unless he is appointed against a permanent vacancy.

(2) If, in the opinion of the appointing authority, the work or conduct of a person during the period of probation is not satisfactory, it may,-

(a) if such person is appointed by direct recruitment, dispense with his services; and

(b) if such person is appointed otherwise, than by direct recruitment,-

(i) revert him to his former post; or

(ii) deal with him in such other manner, as the terms and conditions of his previous appointment permit.

(3) On the completion of period of probation of a person, the appointing authority may,

(a) if his work or conduct has, in its opinion, been satisfactory,-

(i) confirm such person from the date of his appointment, if appointed against a permanent vacancy; or

(ii) confirm such person from the date from which a permanent vacancy occurs, if appointed against a temporary vacancy; or

(iii) declare that he has completed his probation satisfactorily, if there is no permanent vacancy; or

(b) if his work or conduct has, in its opinion, been not satisfactory,--

(i) dispense with his services, if appointed by direct recruitment, if appointed otherwise, revert him to his former post or deal with him in such other manner, as the terms and conditions of his previous appointment permit; or

(ii) extend his period of probation and thereafter pass such order, as it could have passed on the expiry of the first period of probation:

Provided that the total period of probation including extension, if any, shall not exceed three years.

Appeal against discharge.

12. A discharged probationer whose services have been dispensed with under section 11, may file an appeal against such order passed by the competent authority.

Appointment of full member.

13. An approved probationer shall be considered for confirmation immediately after the satisfactory completion of his probation. Such confirmation shall be made in the entry level post to which he was first appointed and an order shall be issued for confirmation of Service.

Fixation of seniority.

14. Seniority, inter-se of the members of Service shall be determined by the length of continuous service on any post in the Service:

Provided that where there are different cadres in the Service, the seniority shall be determined separately for each cadre:

Provided further that in the case of a member appointed by direct recruitment, the order of merit determined by the recruiting agency shall not be disturbed in fixing the seniority:

Provided further that in the case of two or more members appointed on the same date, their seniority shall be determined as follows:-

(a) a member appointed by direct recruitment shall be senior to a member appointed by promotion or by transfer;

(b) a member appointed by promotion shall be senior to a member appointed by transfer;

(c) in the case of a member appointed by promotion or by transfer, seniority shall be determined according to the seniority of such members in the appointments from which they are promoted or transferred; and

(d) in the case of members recruited by transfer from the same office, seniority shall be determined according to seniority in the appointments previously held in that cadre;

(e) in the case of members appointed by promotion/ transfer from different cadres, their seniority shall be determined according to pay, preference being given to a member, who was drawing a higher rate of pay in his previous appointments, and if the rates of pay drawn are also the same, then by the length of their service in the appointments and if the length of such service is also same, the older member shall be senior to the younger member.

Promotion.

15. No member of Service shall be eligible for promotion from the category in which he was appointed to the Service unless he has satisfactorily completed his probation in that category:

Provided that a member of a Service who, having satisfactorily completed his probation in the category in which he was appointed to the service, has been promoted to the next higher category shall, notwithstanding that he has not been declared to have satisfactorily completed his probation in such higher category be eligible for promotion from such higher category:

Provided further that if the scale of pay or pay band or pay matrix of post in the feeder categories are different, the person holding post carrying a higher scale of pay or pay band or pay matrix in the feeder category shall be considered first and that, if no qualified and suitable persons holding post in that feeder category are available, the persons holding post carrying the next higher scale of pay or pay band or pay matrix in descending order in other feeder categories shall be considered.

Appointment by recruitment on transfer basis.

16. Appointment by recruitment on transfer basis to the Service from among the holders of posts in a Subordinate Service shall be made on grounds of merit and ability, seniority being considered only where merit and ability are approximately equal.

Promotion or recruitment by transfer during extension of Service.

17. No member of Service, who is on extension of Service after superannuation, shall be considered for appointment either by promotion or by recruitment by transfer to a higher category, during the period of extension of Service.

Consequence of resignation.

18. A member of Service shall, if he resigns from his appointment, forfeit the service rendered by him on the particular post held by him at the time of resignation and also all his previous service under the Government. The re-appointment of such person to any Service shall be treated in the same way as a first appointment to such Service by direct recruitment and all the provisions governing such appointment shall apply and on such re-appointment, he shall not be entitled to count any portion of his previous service for any benefit or concession admissible under this Act:

Provided that a member of Service, who after resignation has contested the general election to Parliament or State Legislature or in the elections to local bodies either as a party candidate or as an independent candidate, shall not be eligible for re-appointment to any service.

Acceptance of resignation.

19. (1) A member of Service may resign his appointment by giving notice of not less than three months in writing direct to the appointing authority with a copy marked to his immediate superior officer. The period of three months notice shall be reckoned from the date of receipt of such notice by the appointing authority.

(2) The member of Service may withdraw the notice of his resignation before its acceptance and withdrawal of resignation shall not be permitted after its acceptance by the appointing authority.

(3) The appointing authority shall issue orders on the notice of resignation before the date of expiry of notice, either accepting the resignation from a date not later than the date of expiry of the notice or rejecting the same, giving the reasons thereof. If no such order is passed, the resignation shall be deemed to have been accepted on the expiry of the period of notice.

(4) Notice of resignation given by the member of Service shall be accepted by the appointing authority, subject to the conditions—

(i) that no disciplinary proceeding is contemplated or pending against the member of concerned under rule 7 of the Haryana Civil Services (Punishment and Appeal) Rules, 2016;

(ii) that a report from the Director of Vigilance and Anti-Corruption has been obtained to the effect that no enquiry is contemplated or pending against the member of Service;

(iii) that no dues are pending to be recovered by the Government from the member of Service; and

(iv) that there is no contractual obligation of any kind including contractual obligation to serve the Government during the period in which the member of Service seeks to resign.

(5) Notwithstanding anything contained in clauses (i) and (ii) of sub-section (4), where a member of Service, under suspension or against whom disciplinary or criminal action or vigilance enquiry is pending, seeks to resign, the appointing authority shall examine the nature and gravity of the case and may accept the resignation, if the case is not such as would warrant rejection of the notice of resignation.

Appeal or review.

20. (1) Where no specific provision for appeal or review against any order is provided under this Act or in the service rules for redressal of grievances, an appeal or review, as the case may be, shall lie to the authority to which an appeal or review petition would lie against an order of dismissal.

(2) An appeal or review under sub-section (1) shall be preferred within two months from the date of receipt of the orders by the appellant or the review petitioner, as the case may be.

(3) Every appeal or review under sub-section (1) shall be disposed of within a period of four months from the date of the receipt of the appeal or review petition.

(4) The appellate or reviewing authority may issue such interim directions, as it deems fit, pending final decision thereon in order to avoid any irreparable loss to the appellant or review petitioner or to avoid administrative inconvenience.

Special provision.

21. Notwithstanding anything contained in this Act, the appointing authority may impose special terms and conditions in the order of appointment, if it is deemed expedient to do so.

Reservation.

22. Nothing contained in this Act shall affect reservations and other concessions required to be provided for Scheduled Castes, Backward Classes, Ex-Servicemen, Physically handicapped persons or any other class or category of persons in accordance with the orders issued by the Government in this regard, from time to time.

Overriding effect of special rules.

23. If any provision of this Act is inconsistent with any provision of the service rules applicable to any particular service, the service rules shall, in respect of that service, prevail over the provisions of this Act.

Application of certain rules.

24. Any rule continued by article 313 or made under the proviso to article 309 of the Constitution in respect of any service or category thereof shall be applicable to all persons holding posts intended to be held by members of that service or category on the date on which such rule was made:

Provided that nothing in any such rule shall, unless a contrary intention is expressly indicated therein, operate to deprive any such person of any right or privilege to which he is entitled by or under any rule or applicable to him prior to the making of such rule:

Provided further that no such rule shall be applicable to candidates who had been approved for appointment to any such service or category by the Commission or by any other authority competent in that behalf prior to the making of such rule or who had applied for such approval in response to any advertisement inviting applications, published by the Authority competent in that behalf prior to the making of such rule.

25. (1) If any difficulty arises in giving effect to the provisions of this Act, the Government may, by order published in the Official Gazette, make such provisions not inconsistent with the provisions of this Act, as appear to it to be necessary or expedient for removing the difficulty: Power to remove difficulties.

Provided that no such order shall be made after the expiry of three years from the commencement of this Act.

(2) Any order passed under sub-section (1) shall, as soon as may be, after it is passed, be laid before the State Legislature.

26. (1) The Government may, by notification, amend or cancel the Schedule. Power to amend Schedule.

(2) Every notification issued under sub-section (1) shall, as soon as may be, after it is issued, be placed before the State Legislature.

FIRST SCHEDULE

[see section 9 (1)]

EDUCATIONAL QUALIFICATIONS

Serial number	Name of Post	Academic qualifications and experience, if any, for direct recruitment.	Academic qualifications and experience, if any, for appointment other than Direct recruitment.
1	2	3	4
1.	All Group D posts except Sweeper, Chowkidar and Sweeper-cum-Chowkidar	(i) Matriculation from recognized Board. (ii) Hindi/Sanskrit upto matriculation, as one of the subject.	(i) Matriculation from recognized Board (ii) Hindi/Sanskrit upto Matriculation, as one of the subject. (iii) two years experience in relevant post
2.	Sweeper, Chowkidar and Sweeper-cum-Chowkidar	Should be able to read and write Hindi.	(i) Should be able to read and write Hindi; (ii) two years experience in relevant post.

SECOND SCHEDULE

[see section 10(1)]

CRITERIA FOR SELECTION

(1) The scheme of marks in respect of selection to Group D posts in the Service shall comprise of total 100 marks, as detailed below:-

(i)	Written Exam:	90 marks
(ii)	Socio-Economic criteria and experience:	10 marks

The marks for experience and some objective socio-economic criteria are to be allocated as follows:

(a) If no person from among the applicant's father, mother, spouse, brothers, sisters, sons and daughters is, was or has been regular employee in any Department/ Board/ Corporation/ Company/ Statutory Body/ Commission/ Authority of Government of Haryana or any other State Government or Government of India.

(5 marks)

(b) Orphan/Widow:-

(i) if the applicant is a Widow; or

(ii) if the applicant is the first or the second child and his father had died before attaining the age of 42 years, or

(iii) if the applicant is the first or the second child and his father had died before the applicant had attained the age of 15 years.

(5 marks)

(c) If the applicant belongs to such a denotified tribe (Vimukt Jatis and Tapriwas Jatis) or Nomadic tribe of Haryana which is neither a Scheduled Caste nor a Backward Class.

(5 marks)

(d) **Experience:** One-half (=0.5) mark for each year or part thereof exceeding six months of experience, out of a maximum of 16 years, on the same or a higher post in any Department/ Board/ Corporation/ Company/ Statutory Body/ Commission/Authority of Government of Haryana. No marks will be awarded for any period less than six months.

(A maximum of 8 marks)

(2) No applicant shall be given more than 10 marks under any circumstances.

(3) The waiting list for the vacancies upto 25 at 25%, for vacancies between 25 to 50 at 15% and for vacancies above 50 at 10% subject to the minimum of two candidates shall be prepared during selection.

(4) The main list as well as the waiting list shall remain valid for a period of one year from the date of recommendation.

(5) The recruiting agency while making recommendations shall clearly indicate the main list and the waiting list. The main list shall contain the number of candidates equal to the number of demand made by the department to the recruiting agency.

KULDIP JAIN,
SECRETARY TO GOVERNMENT HARYANA,
LAW AND LEGISLATIVE DEPARTMENT.

56150—L.R.—H.G.P., Chd.

STATEMENT OF OBJECTS AND REASONS

The selection and appointments to Group-D posts are governed by the service rules of the concerned Departments. Different departments have prescribed different minimum age and educational qualifications for appointment to these posts. This causes a lot of inconvenience and financial burden on the candidates. With a view to have common age and educational qualifications as well as to ensure transparency in selection of candidates the Government of Haryana has decided to provide for common minimum age, common minimum educational qualifications and a transparent selection criteria alongwith some weightage for socio-economic status, experience and doing away with practice of interviews in case of Group-D posts.

MANOHAR LAL,
Chief Minister, Haryana.

Chandigarh :
The 10th March, 2018.

R.K. NANDAL,
Secretary.

N.B.—The above Bill was published in the Haryana Government Gazette (Extraordinary), dated the 10th March, 2018 under proviso to rule 128 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly.

56099—H.V.S.—H.G.P., Chd.